

Entry

काला राज ५४! अंग्रेजों की विजय के बाद इन्होंने अपनी सेना को बड़ी तरफ़ पर ले लिया। उन्होंने अपनी सेना को बड़ी तरफ़ पर ले लिया।

1920 कमेटी (पुरुषों के लिए) के अधिकारी ने विद्या के विभिन्न प्रकार के अध्ययन का उत्तराधिकारी विषय सामाजिक और इतिहास के अध्ययन का उत्तराधिकारी ने विद्या पर अधिक ध्यान करने की उचिति का अध्ययन करना चाहा था। इसका उत्तराधिकारी ने विद्या के अध्ययन का उत्तराधिकारी विषय सामाजिक और इतिहास के अध्ययन का उत्तराधिकारी ने विद्या पर अधिक ध्यान करने की उचिति का अध्ययन करना चाहा था।

प्रथम दूरध्या उत्तरकाल से स्पष्ट होता है कि वर्षायन विवरणों की तरफ़, भी अभी जननीय अवसर प्रतीक होती है, जिसका विहार (आराध्य-ह) भी सुधार वर्ष 1950 की वर्षा-प्रतीक इस अपने किंवदन विवरणों में दर्शाता है।

卷之三

11

१८।८

अभिलेख उपस्थापित किया गया। नोटिश तामिला के पश्चात प्राप्त हुआ। जमाबन्दी रैयत से वंशज द्वारा न्यायलय में उपस्थित होकर लगान रशीद/दल्लील/खतियन एवं अन्य कागजात की छाया प्रति समर्पित किये हैं। परन्तु उनके द्वारा उपरोक्त भूमि से संबंधित किसी सक्षम पदाकिधरी का आदेश एवं अन्य ठोस साक्ष्यों की मूल प्रति/सत्यापित प्रति समर्पित नहीं किया गया है, जो उनकी दावे की पुष्टि करता हो।

अतः ऐसी परिस्थिति में संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक के प्रतिवेदन एवं अनुशासा के आधार पर उक्त जमाबन्दी को रद्द करने की अनुशंसा ककी जाती है।

अग्रेतर कार्रवाई हेतु अभिलेख भूमि सुधार उप समीकर्ता धनबाद को भेजे।

अंचल अधिकारी,
बलियापुर।

बाद अमिलेख चाला-

अधिकारी

२५

वर्ष २०१६ (आमने सामने-ए.ल. ए.ए. अ. १९५०)

सूचना

बनाम

उमीदार मास्टर, पिच गांगराम मास्टर,
७०० लड़ाक्ह.

रत्न दास आपकी सूचित किया जाता है कि नाम ७०१८६। शास्त्र-०
खलता नं- ६२ खलता नं- राशि ०१९८ क्र० अपेक्षा जापक नाम से
४० नं वा उमीदार की उमीदारी नाम दो पृष्ठ नाम जनायदी प्रथम दृश्य
राजराज कर्मसारी ने अचल निरीक्षक के गालाम से जौही दूर सरिया अधिकारी के देखित किया है।

अतएव आप उक्ता संबंध में दिनांक ७/४/१६ में राशि-०१९८ के गुणावत में उक्त
शुनि का रिटर्न-१. भूगि व्यवहारी से रामेष्टि दुम्हमनामा पूर्णवृत्त उमीदार द्वारा निर्गत अभिन्नता
रसीदों, कार्य M एव सर्वज्ञ ये उमीदारी भिडित होने के बाद सर्वानु द्वारा निर्गत रखाल
रसीदों निर्गत परवाना एवं अन्य गास साक्षों द्वारा गुल गति/सर्वाग्नि गति तो आपके एक
गुणि एव दामे की पुष्टि करता हो, कि यान अवोहन्त नहीं थे जापके गालाम में उत्तिथा
होकर अग्ना पक्ष प्रसुत करें।

सनद रहे कि अन्यथा कि रिटर्न में उमीदार जापका कि उक्त संबंध में आपको नुज
नहीं कहना है तथा उपलब्ध दस्तावेज़/साक्षों के अधार पर समुक्ति निर्गत द्वारा उक्त
दर्ज उमीदारी के संबंध में युक्ति-दुष्टि तो हाए भिडित दुम्हमनामा दूर से जायेगी।

इसे सख्त ताकोद जानें।

प्रिये-

मुहर

स्थान-

अधिकारी

दिनांक ७/४/१६

दृष्टि अ/१६

उमा ह.व.२

कौरिल विजिल चिन्ह
नं० ०५ सप्त अक्टूबर

०६/८/१६